IQAC ACTIVITIES

Session 2025-26

S. No.	Activity	Date
1	Division Level One Day Workshop on NEP2020 Reorientation	09.07.2025
2	राष्ट्रीय शिक्षा अभियान 2020 के अंतर्गत सामाजिक सरोकार	16.07.2025
3	One Day Workshop on Office establishment and Record Maintenance	25.07.2025
4	दीक्षारंभ: नए प्रवेशित विद्यार्थी 2025	29.07.2025
5	Chhattisgarh Rajat Jayanti: “25 Years of Glory”	05 - 12.09.2025
6	One Day Workshop on IPR and Scientific Publication: Excellence in Research and Innovation	28.10.2025
7	राष्ट्रीय संगोष्ठी: छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा: सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा	30.10.2025
8	A Lecture on Good Lab Practices for Laboratory Staff	31.10.2025

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

"Division Level One Day Workshop on NEP 2020 Reorientation"

09.07.2025

REPORT

A Division Level One-Day Workshop on NEP 2020 Reorientation was successfully organized on 09 July 2025 at Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg, with the objective of reorienting higher education institutions towards effective understanding and implementation of the National Education Policy (NEP) 2020. The workshop aimed to strengthen institutional preparedness, academic reforms, and administrative alignment with NEP 2020.

The workshop was organized under the leadership of: Principal: Dr. Ajaya Kumar Singh and NEP Nodal Officer: Dr. Jagjeet Kaur Saluja. The event witnessed the gracious presence and guidance of eminent academicians and administrators associated with NEP 2020 implementation.

The inaugural session was addressed by: Dr. Rajesh Pandey, Regional Additional Director, Higher Education. He highlighted the vision, objectives, and transformative potential of NEP 2020, emphasizing institutional responsibility in its successful implementation.

The workshop comprised two expert lecture sessions, focusing on conceptual clarity and practical execution of NEP 2020:

Session I: NEP Framework: The first session, delivered by Dr. D. K. Shrivastava, focused on the NEP Framework. This session provided a comprehensive overview of the NEP 2020 framework, including multidisciplinary education, academic bank of credits, flexibility in curricula, holistic development, and outcome-based education.

Session II: NEP Implementation: The second session, conducted by Dr. G. A. Ghanshyam, addressed NEP Implementation. The session focused on implementation strategies, challenges, and best practices related to NEP 2020 at the institutional level. Practical insights were shared on curriculum restructuring, assessment reforms, and student-centric approaches.

A total of 68 Government Colleges from 07 districts of Durg Division participated in the workshop. Each institution was represented by the Principal, NEP Nodal Officer, and two NEP Ambassadors. The sessions were interactive and provided a valuable platform for discussion

and clarification. Dr. A.K Shrivastava and Dr. Sanjay Kumar Das were also present as Master Trainers of NEP 2020 implementation at different institutions.

The programme concluded with a Vote of Thanks by Dr. Pragya Kulkarni, IQAC Coordinator, who expressed gratitude to all dignitaries, resource persons, participants, and the organizing team for making the workshop a success.

The workshop significantly enhanced awareness, clarity, and preparedness among participating institutions for the effective implementation of NEP 2020.

Outcomes of the Programme

- Improved awareness and understanding of NEP 2020 among participating institutions
- Enhanced clarity on NEP framework and implementation strategies
- Strengthened coordination among government colleges of Durg Division
- Increased institutional readiness for NEP-aligned academic reforms

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 09.07.2025 को दुर्ग संभाग के शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों, मास्टर ट्रेनर्स एवं NEP एम्बेसडर की कार्यशाला शासकीय VYT स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में अपर संचालक प्रो. राजेश पांडे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डॉ संजू सिन्हा ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यशाला को अति महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बताया। प्रो पाण्डेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी को जिम्मेवारी के साथ कार्य करने एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रचार प्रसार हेतु एकजुट प्रयास पर ज़ोर दिया।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय सिंह ने नीति के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में इसे मील का पत्थर निरूपित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में प्रो. डी के श्रीवास्तव ने करिकुलम फ्रेमवर्क, प्रमोशन रूल आदि पर पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया एवं NEP एम्बेसडर के विभिन्न प्रश्नो के उत्तर दिए। द्वितीय सत्र में प्रो जी ए घनश्याम ने भारतीय ज्ञान परंपरा: क्या, क्यों एवं कैसे विषय पर पावरप्वाइंट एवं प्रश्नोत्तरी के द्वारा जानकारी दी। डॉ प्रज्ञा कुलकर्णी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

16.07.2025

राष्ट्रीय शिक्षा अभियान 2020 के अंतर्गत सामाजिक सरोकार

साईंस कालेज दुर्ग में शासकीय पोषक शालाओं के विद्यार्थियों हेतु आयोजित होगी प्रायोगिक प्रशिक्षण कक्षाऐं

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में दुर्ग–भिलाई के शासकीय पोषक शालाओं के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु प्रायोगिक प्रशिक्षण कक्षाऐं आयोजित की जायेगी। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि अनेक पोषक शासकीय शालाओं में प्रायोगिक कक्षाऐं विभिन्न कारणों से सुचारू रूप से संचालित नही हो पाती, जिसके कारण 12वीं कक्षा के विज्ञान संकाय के विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान से अनभिज्ञ रह जाते है। इसी बात को ध्यान में रखकर साईंस कालेज, दुर्ग में दुर्ग–भिलाई के शासकीय शालाओं के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, भौतिक एवं रसायन विषय की प्रायोगिक कक्षाऐं आयोजित किये जाने का प्रस्ताव है।

महाविद्यालय के स्वशासी प्रकोष्ठ के नियंत्रक डॉ. जगजीत कौर सलूजा एवं भूगर्भशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि साईंस कालेज, दुर्ग प्रदेश का नैक द्वारा मूल्यांकित एक मात्र ए प्लस ग्रेड महाविद्यालय है। इस महाविद्यालय में उन्नत प्रयोगशालायें एवं उपकरण उपलब्ध है। दुर्ग–भिलाई के शासकीय पोषक विद्यालयों से ही विद्यार्थी साईंस कालेज, दुर्ग में अध्ययन हेतु प्रवेश लेते है। इसी सामाजिक दायित्व को समझते हुए महाविद्यालय द्वारा 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु प्रायोगिक कक्षाऐं आयोजित किये जाने का प्रस्ताव है। इस संबंध में जिन शासकीय उच्चतर माध्यामिक विद्यालयों के प्राचार्यों से आवेदन प्राप्त होंगे उनके विद्यालयों के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

महाविद्यालय की आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी के अनुसार महाविद्यालय में एक सर्व सुविधा युक्त पुस्तकालय है, जिसमें लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध है। इनके अलावा आटोमेटिक पुस्तक इशु करने वाली मशीन, आरएफआईडी मशीन विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकायें तथा समाचार पत्र भी ग्रंथालय में उपलब्ध है। महाविद्यालय में प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय के ग्रंथालय का भी भ्रमण कराया जाना प्रस्तावित है। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि शालेय विद्यार्थियों हेतु प्रायोगिक प्रशिक्षण 15 अगस्त के पश्चात् आरंभ किया जाना प्रस्तावित है।

GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
57ww+j36, Deepak Nagar, Durg,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196464° Long 81.29577°
16/07/2025 01:17 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
57ww+j36, Deepak Nagar, Durg,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196465° Long 81.295764°
16/07/2025 01:17 PM GMT +05:30
Google

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

ORGANIZES

ONE DAY WORKSHOP

"साईंस कालेज दुर्ग के आईक्यूएसी के द्वारा कार्यालय स्थापना एवं अभिलेख संधारण पर कार्यषाला"

25.07.2025

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के आईक्यूएसी के द्वारा तृतीय वर्ग कर्मचारियों एवं लैब तकनीषियन हेतु कार्यालय स्थापना एवं अभिलेख संधारण पर एक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन आज दिनांक 25.07.2025 को कक्ष क्रमांक 21 में प्रातः 10.30 बजे से आयोजित की गयी। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य वक्ता **डॉ.**तपेष चंद्र गुप्ता, अपर संचालक, उच्चषिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं प्राचार्य, शास.जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर के स्वागत से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने स्वागत भाषण में सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय षिक्षा नीति लागू होने के साथ ही हमें अपनी दक्षता और अधिक बढ़ाने की आवष्यकता है, जिससे हम जिम्मेदारियों को सुचारू रूप से पूर्ण कर सकें। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं इसके उद्देष्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि समय के साथ बदलते परिवेष में तकनीकों पर बढ़ती निर्भरता एवं राष्ट्रीय षिक्षा नीति के उद्देष्यों को पूर्ण करने हेतु अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ ही प्रयोगषाला एवं कार्यालय दोनों का सामजंस्य अत्यंत आवष्यक है। इसलिए समय- समय पर इस तरह की कार्यषाला आवष्यक रूप से की जानी चाहिए।

इसके पश्चात् तकनीकी सत्र में कार्यक्रम के विषेषज्ञ वक्ता डॉ.तपेषचंद्र गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को सेवा पुस्तिका के संधारण, पर्सनल फाइल के अपडेषन, भंडार क्रय नियम, स्टाक रजिस्ट्रार का संधारण, पेंषन स्कीम, ई- डॉक्यूमेंटेषन, डेटा का क्लासिफिकेषन, स्पोर्ट्स पर्चेस एवं नियमावली किताब पर बहुत ही विस्तृत जानकारी दी तथा इन सभी मामलों से जुड़े कठिनाईयों को हल करने विधि को समझाया। उन्होंने व्याख्यान के पश्चात् प्रतिभागियों द्वारा आफिस एवं लैब संचालन में आने वाली समस्याओं से संबंधित सभी की जिज्ञासाओं का सटिक उत्तर दिया।

इस कार्यषाला में महाविद्यालय के सभी आफिस स्टाफ एवं प्रयोगषाला तकनीषियन के साथ ही साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक गण डॉ. एस.एन. झा, डॉ.सुनीता मैथ्यू, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. सीतेष्वरी चन्द्राकर, डॉ.संजू सिन्हा, डॉ.अभिषेक मिश्रा, डॉ.कुसुमांजलि देषमुख एवं डा. लतिका ताम्रकार एवं संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.. रिचा ठाकुर उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सुनीता बी. मैथ्यू ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजू सिन्हा ने किया।

Welcomes Dr. Tapesh Chandra Gupta
कार्यालय स्थापना एवं अभिलेख
IQAC - INITIATIVES

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 29.07.2027

दीक्षारंभः 2025

संस्कार का विद्यार्थी जीवन में महत्वपूर्ण स्थान – गजेन्द्र यादव

संस्कार का विद्यार्थी जीवन में अत्यंत महत्व है। संस्कारित होने पर सफलता हर स्थान पर प्राप्त होती है, जो कि विद्यार्थियों के दशा व दिशा का निर्धारण करता है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आत्मसात कर विद्यार्थी उन्नति की ओर अग्रसर हो सकता हे। इस उद्बोधन के द्वारा विद्यार्थियों में नई उर्जा का संचार आज महाविद्यालय दीक्षारंभ योजना के मुख्य अतिथि दुर्ग शहर के विधायक माननीय गजेन्द्र यादव के द्वारा किया गया। श्री यादव ने कहा कि देश में उपस्थित प्रचुर संसाधनों का उचित उपयोग व दोहन की जानकारी आज के छात्रों को नही है। भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रसारित करने का काम NEP-2020 के तहत किया जा रहा है। इस समारोह के माध्यम से नव प्रवेशित छात्रों को इस योजना की संपूर्ण जानकारी छात्रों को दी गयी। कौशल विकास के माध्यम से स्व–रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

इस समारोह में विशिष्ट अतिथि जन भागीदारी अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार जी ने नव प्रवेशित छात्रों को प्रदेश के अग्रणी महाविद्यालय में प्रवेश हेतु बधाई देने के साथ कहा कि विद्यार्थी स्वयं के प्रति आस्था का श्रध्दा रखकर पूर्ण ईमानदारी से कार्य करें, उन्हें सफलता अवश्य हासिल होगी।

अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने बताया कि दीक्षारंभ केवल औपचारिक परिचय न होकर नैतिकता व व्यवहारिकता का प्रारंभ है, यह NEP एकल विषय विशेषज्ञता न होकर चर्तुमुखी शिक्षा विकास है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित यह शिक्षा पध्दति का उद्देश्य नवाचार को आत्मसात करना है।

दो चरणों में आयोजित इस दीक्षारंभ समारोह में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से जुड़े विभिन्न बिंदुओं जैसे विभिन्न कोर्सेस, जेनेरिक तथा वैल्यू एडेड कोर्स, क्रेडिट प्रणाली, आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा, ग्रेड सिस्टम आदि की जानकारी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने दी। उन्होंने नव प्रवेशित छात्रों को महाविद्यालय का परिचय देते हुए उन्हें NEP योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान कि किस प्रकार विज्ञान संकाय के विद्यार्थी कला संकाय के विषय का चयन कर सकता है।

छात्रों के शंका का समाधान डॉ. जगजीत कौर सलूजा महाविद्यालय के NEP प्रभारी के द्वारा किया गया, उन्होंने बताया कि NEP छात्रहित को ध्यान में रखकर बनाया गया जो कि उनके उज्जवल भविष्य का आधार बनेगी।

मॉ सरस्वती का दीप प्रज्जवलन, सरस्वती वंदना व कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर ने किया व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. डॉ. ए.के. खान ने किया। इस समारोह में उपस्थित प्रत्येक नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर किया गया साथ ही NEP के प्रचार प्रसार हेतु नियुक्त NEP एम्बेसेडर को मुख्य अतिथि श्री गजेन्द्र यादव जी ने बैच पहनाकर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के साथ संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर भी उपस्थित थी। संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों का भी दीक्षारंभ इसी कार्यक्रम में किया गया।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राध्यापक व विद्यार्थियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रति,

संपादक / ब्यूरो चीफ

दैनिक ....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्राचार्य

Chhattisgarh State Rajat Jayanti 2025
Celebrating 25 Glorious Years of Chhattisgarh State (2000–2025)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

रजत जयंती महोत्सव वर्ष 2025–26

05-12 September 2025

कार्यालय छ.ग. शासन के पत्र कं. 248/मु.स./2025 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 4 जुलाई 2025 के अनुसार 5 सितंबर से 12 सितंबर 2025 तक उच्चशिक्षा विभाग द्वारा छ.ग. राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष समारोह का आयोजन किया जाना था। इस पत्र के परिपालन में शास.वि.वाय.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में प्राचार्य द्वारा रजत जयंती वर्ष आयोजन समिति का गठन दिनांक 05.08.2025 को किया गया। जिसके संयोजक – डॉ. ए.के. खान, प्राध्यापक अर्थशास्त्र एवं सहसंयोजक–डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक हिन्दी बनाए गए।

रजत जयंती वर्ष हेतु निर्देशित विविध गतिविधियों के आयोजन हेतु 7 समितियों का गठन किया गया। जो निम्नानुसार है –

1. **क्विज/भाषण /ग्रुप डिस्कशन– 6 सितंबर 2025**
   विषय – छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्ष
   क्विज : संयाजेक – डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी
   भाषण एवं ग्रुप डिक्शन– डॉ. के. पद्मावती
2. **सेमीनार/परिचर्चा कार्य का आयोजन– 10 सितंबर 2025**
   विषय – छत्तीसगढ़ @ 50 – डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव
   विकसित छत्तीसगढ़ @ 2047 –डॉ. कुसुमांजलि देशमुख
   समिति–संयोजक – डॉ. अभिनेष सुराना
   डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव
   डॉ. मीना मान
   डॉ. अंशुमाला चन्दनगर
   डॉ. तरूण साहू
   डॉ. प्रशांत दुबे
3. **रजत जयंती पुस्तक मेला – 10 एवं 11 सितम्बर**
   समिति –संयोजक – डॉ. विनोद अहिरवार
   डॉ. अभिनेष सुराना
   डॉ. ए.के. खान
   डॉ. निगार अहमद
   डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी
   डॉ. प्रदीप जांगड़े
4. रजत जयंती तक का सफर – NCC/NSS **11 सितम्बर 2025**

विषय – परिचर्चा, नुक्कड़ नाटक/रैली/पोस्टर प्रतियोगिता
स्थान– गोदग्राम – थनौद
समिति – डॉ. मीना मान (संयोजक)

डॉ. सीतेश्वरी चन्द्राकर
डॉ. तरूण साहू
श्री सुदेश साहू
डॉ. प्रशांत दुबे

5. जॉब फेयर (विभिन्न संस्थाओं/प्रतिष्ठानों को आमंत्रित करना)
समिति – 12 सितम्बर 2025
संयोजक – डॉ. पद्मावती
जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से

6. एल्युमिनी मीट (2000–21 के पश्चात् प्रवेशित छात्र) – 12 सितम्बर 2025
समिति –डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव (संयोजक) एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष

7. वार्षिकोत्सव (रजत जयंती थीम पर) – 12 सितम्बर 2025
समिति –संयाजक – डॉ. एस.एन. झा
डॉ. के. पद्मावती
डॉ. अनुपमा कश्यप
डॉ. ज्योति धारकर

इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्ष पर आधारित डाक्युमेंट्री/विडियो/फिल्म मेकिंग हेतु समिति संयोजक – डॉ सनत कुमार
श्री निखिल देशलहरा
श्री तरूण साहू

रजत जयंती के सफल आयोजन हेतु समिति की पहली बैठक दिनांक 21.8.2025 को अपराह्न 1 बजे आईक्यूएसी सभाकक्ष में तथा दूसरी बैठक 30.8.2025 को 1 बजे आईक्यूएसी सभाकक्ष में ही आहूत की गई। बैठक में संयोजक द्वारा रजत जयंती महोत्सव के उद्देश्य एवं क्रियान्वयन योजना की विधिवत जानकारी दी गई तथा विभिन्न आयोजनों हेतु अनुमानित व्यय की लेखा की मांग भी की गई। प्राचार्य ने बताया कि इन आयोजनों को बहुत ही गरिमापूर्ण ढंग से संयोजित करना है तथा शासन के निर्देशानुसार उच्चशिक्षा मंत्री/प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित करना हे। साथ ही क्षेत्र के विशिष्ट जनों को भी कार्यक्रम से जोड़ना है।

1. रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों की श्रृंखला दिनांक 6 सितम्बर 2025 से शुरू हुई। प्रथम दिवस महाविद्यालय के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 25 से अधिक प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्ष पर अपने विचार रखे। इस प्रतियोगिता में बीएससी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रश्मि साहू प्रथम तथा दिनेश्वरी चन्द्राकर द्वितीय रही। तीसरे स्थान पर एमएससी तृतीय सेमे. की छात्रा साक्षी बांगरे रही। कुल 125 विद्यार्थी शामिल रहे।

   महाविद्यालय के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में चार हाउस के चयनित चार–चार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 121 विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रथम स्थान पर विवेकानंद हाउस द्वितीय स्थान पर सुभाषचंद्र बोस हाउस तथा तृतीय स्थान पर शहीद भगत सिंह एवं चंद्रशेखर आजाद हाउस संयुक्त रूप से रहे।

2. महाविद्यालय के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में सेमीनार/परिचर्चा एवं वाचनालय में पुस्तक मेला का आयोजन दिनांक 10 सितम्बर 2025 को किया गया। दोनों ही कार्यक्रमों में जिले के जनप्रतिनिधि माननीया श्रीमती सरस्वती बंजारे, अध्यक्ष दुर्ग जिला पंचायत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सुरेन्द्र कौशिक, अध्यक्ष भाजपा, जिला दुर्ग एवं श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति उपस्थित रहे। सेमीनार में डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, प्राध्यापक भूगर्भशास्त्र ने छत्तीसगढ़ @2050 एवं डॉ. कुसुमांजलि देशमुख सहायक प्राध्यापक भौतिकी ने विकसित छत्तीसगढ़ @2047 पर पीपीटी के माध्यम से सारगर्भित प्रस्तुति दी।

3. पुस्तक मेले में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय छः प्रतिष्ठानों ने संदर्भ पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई। सेमीनार/परिचर्चा में कुल प्रतिभागी 103 तथा पुस्तक मेले में कुल 657 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया।
4. रजत जयंती महोत्सव के आयोजन के अगले चरण में महाविद्यालय की एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. की इकाईयों ने गोद ग्राम थनौद में रजत जयंती तक के सफर –25 वर्ष पर आधारित नुक्कड़ नाटक, परिचर्चा, पोस्टर प्रतियोगिता एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्षों की स्वर्णिम उपलब्धियों एवं विकास यात्रा को जन–जन तक पहुंचाना रहा। परिचर्चा, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम थनौद के शास.उ.मा. शाला के विद्यार्थियों के बीच किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इन कार्यक्रमों में एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. से महाविद्यालय के कुल 50 छात्र–छात्राएं एवं विद्यालय के 100 से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। साथ ही नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता रैली में गांव के सामान्य ग्रामीण भी सम्मिलित हुए।

5. दिनांक 12 सितंबर 2025 को महाविद्यालय में सन् 2000–2001 के पश्चात् प्रवेशित भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन (एलुमनी मीट) का आयोजन प्रातः 11 बजे से डॉ. राधाकृष्णन सभागार में किया गया। इस आयोजन मं मुख्य अतिथि श्री जितेन्द्र यादव, सभापति दुर्ग जिला पंचायत, दुर्ग एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री धनश्याम साहू मण्डल अध्यक्ष जेवरा–सिरसा तथा महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार उपस्थित थे। आयोजन में श्री नरोत्तम साहू सुश्री पारूल पाण्डेय आदि भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुति दी। हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्षों की विकास यात्रा को एक विडियो डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से दिखाया। इस अवसर पर कुल 132 पूर्व छात्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
6. 12 सितंबर 2025 को दुर्ग जिला रोजगार नियोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार एवं वाचनालय में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में बैकिंग, फाइनेंस, मैनेजमेंट, हॉस्पिटलिटी सिक्योरिटी एवं नर्सिंग क्षेत्र की बीस से अधिक निजी क्षेत्र की कम्पनियों ने स्टॉल लगाया। मेले में दुर्ग–जिले के शासकीय 21 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुल पंजीकृत 565 विद्यार्थियों में से 335 विद्यार्थियों का रोजगार हेतु चयन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गजेन्द्र यादव जी माननीय मंत्री स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग विधि एवं विधायी कार्य ने अपने हाथों से 10 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। माननीय जिला कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु रोजगार

मेले का दौरा किया। रोजगार मेले में दुर्ग जिला पंचायत सभापति श्री जितेन्द्र यादव जी एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार जी उपस्थित रहे।

7. रजत जयंती थीम पर 2025 को अपराह्न 1 बजे से शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिकोत्सव का आयोजन शहीद वीर नारायण सिंह सभागार में अपराह्न 1.00 बजे से किया गया। कार्यक्रम में श्री गजेन्द्र यादव माननीय मंत्री स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग जिला पंचायत सभापति श्री जितेन्द्र यादव एवं अध्यक्ष जे.बी.एस. श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर छत्तीगसढ़ी वेशभूषा एवं छत्तीसगढ़ी पकवानों की खुशबू से महाविद्यालय कैम्पस सुवासित रहा। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी परंपरागत गीत एवं नृत्यों से अंचल की समृध्द सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया। पाण्डवानी, भरथरी, करमा ददरिया, सुवा, नाचा एवं आदिवासी नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वार्षिकोत्सव की गरिमा बढ़ाई।
शासकीय महाविद्यालय में आयोजित इस रजत जयंती समारोह (5 सितम्बर से 12 सितम्बर) ने विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं क्षेत्र के नागरिकों के बीच ना केवल छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्षों की विकास यात्रा की जागृति पैदा की अपितु छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के अनंत संभावनाओं के द्वारों को भी रेखांकित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित आयोजनों हेतु आयोजन समिति महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों को बधाई प्रेषित की।

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 06.09.2025

प्रेस विज्ञप्ति

साईस कालेज दुर्ग में छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती पर कार्यक्रमों की श्रृंखला आरंभ

क्विज में विवेकानंद हाउस तथा भाषण में रश्मि साहू ने मारी बाजी

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार 5 से 12 सितम्बर तक आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष को उल्लासपूर्वक मनाना हम सभी के लिये गर्व का विषय है। छत्तीसगढ़ ने अपने 25 वर्षों की यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव देखें है। हमें छत्तीसगढ़ के विकास में हर संभव योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ए.के. खान तथा सह–संयोजक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि आज प्रथम दिन आयोजित क्विज प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विवेकानंद हाउस प्रथम स्थान पर रहा, जिसमें देवेश, प्रखर स्वर्णकार, यशकुमार तथा कैलाश बंजारे शामिल थे। द्वितीय स्थान पर सुभाषचंद्र बोस हाउस की टीम रही। इसमें प्रियांशु यादव, कशिश वर्मा, रामसिंह साहू तथा हीना साहू शामिल थे। तृतीय स्थान पर चंद्रशेखर आजाद हाउस तथा शहीद भगत सिंह हाउस रहें। इनके सदस्यों ने ऋशु गीर गोस्वामी, भावेश कुमार, प्रेम तथा जागृति साहू एवं रिध्दी यादव, सृष्टि, कुणाल वर्मा, मनीष कुमार शामिल थे। इस क्विज प्रतियोगिता का सफल संचालन डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने किया। इस क्विज प्रतियोगिता का विषय छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्ष था। अन्य आयोजकों में डॉ. सुनीता मैथ्यू, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. लतिका ताम्रकार, डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. तरूण साहू, डॉ. प्रशांत दुबे, डॉ. लाली शर्मा, डॉ. शोभा रानी तथा डॉ. निखिल देशलहरे शामिल थे।

महाविद्यालय के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में लगभग 25 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया तथा प्रतियोगिता का संचालन डॉ. के. पद्मावती, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी हाउस प्रभारी डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. जनेन्द्र दीवान, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. रमणी चन्द्राकर, डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय, डॉ. भारती ने किया। भाषण प्रतियोगिता के सम्मानीय निर्णायक डॉ. मर्सी जॉर्ज एवं डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज थी। इस प्रतियोगिता में बीएससी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रश्मि साहू प्रथम तथा दिनेश्वरी चन्द्राकर द्वितीय रही। एमएससी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा साक्षी बांगरे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में कुल 121

विद्यार्थियों ने प्रथम चरण में हिस्सा लिया, जिनमें से पृथक–पृथक हाउस से 4–4 विद्यार्थियों का चयन कर कुल 16 विद्यार्थियों ने फायनल राउण्ड में हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता का संचालन डॉ. ओम कुमारी देवांगन तथा डॉ. जिज्ञासा पाण्डेन ने किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. प्राची सिंह, डॉ. तरूण कुमार साहू, डॉ. अनुराग मिश्रा उपस्थित थे। कार्यक्रमों के संयोजक डॉ. ए.के. खान एवं डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने बताया कि 10 एवं 11 सितम्बर को रजत जयंती पुस्तक मेले का आयोजन होगा वहीं 10 सितम्बर को राधा कृष्णन सभागार में दोपहर 12. 00 बजे से छत्तीसगढ़ @ 2050 विषय पर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव का तथा छत्तीसगढ़ @ 2047 विषय पर डॉ. कुसुमांजलि देशमुख का आमंत्रित व्याख्यान होगा।

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 10.09.2025

प्रेस विज्ञप्ति

साईंस कालेज, दुर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना की रजत जयंती समारोह के अवसर पर पुस्तक मेला एवं परिचर्चा आयोजित

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष हम सभी के लिये प्रेरणादायी – सरस्वती बंजारे

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष की स्वर्णिम यात्रा हम सभी के लिये प्रेरणादायी है। अब हम सभी इसे पूर्ण विकसित राज्य बनाने हेतु हर संभव योगदान करना चाहिये। ये उद्गार दुर्ग जिला पंचायत, अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे ने आज व्यक्त किये। श्रीमती बंजारे शासकीय विश्वनाथ तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों को संबोधित कर रही थी। श्रीमती बंजारे ने कहा सपना ऐसे होना चाहिये कि जिससे हमें नींद न आये आज भारत विश्व की चौथी बड़ी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, श्रीमती बंजारे ने उपस्थित विद्यार्थियों से आव्हान किया कि संघर्ष करने वालो की कभी हार नही होती। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम आयोजन समिति के संयोजक डॉ. ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा सह–संयोजक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि आज महाविद्यालय के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़@2050 तथा छत्तीसगढ़@2047 विषय पर दो सारगर्भित व्याख्यान आयोजित हुये। प्रथम व्याख्यान में छत्तीसगढ़@2050 पर पावर प्वाइंट प्रेंजेटेंशन के माध्यम से प्रोफेसर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 25 वर्षों में हमारा प्रदेश विकसित प्रदेशों की श्रेणी में आ जायेगा। इस हेतु अधोसंरचना में वृध्दि सामाजिक समानता तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उन्नति की आवश्यकता है। दूसरे व्याख्यान में छत्तीसगढ़@2047 में सहायक प्राध्यापक

डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने बहुत ही अच्छे ढंग से 1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय से 2047 तक की संभावित यात्रा का प्रस्तुतिकरण किया।

इस अवसर पर उपस्थित जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कौशिक ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी को देते हुए अनौपचारिक रूप से कहा कि अब छत्तीसगढ़ को 2050 तक विकसित प्रदेश बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार ने महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए अनौपचारिक रूप से कहा कि विद्यार्थियों को सदैव चिंतनशील रहना चाहिये तथा समाज के हित में विभिन्न मुद्दों पर सोचना चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश ने पिछले 25 वर्षों में अनेक उतार चढ़ाव देखें हैं। हमारे प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह हम सभी का दायित्व है, कि अपने छत्तीसगढ़ प्रदेश को आगे बढ़ाने में हम सभी यथा संभव योगदान करें। पुस्तक मेला के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थियों की सच्ची मित्र होती है। अच्छी पुस्तकों के अध्ययन से विद्यार्थियों की दशा एवं दिशा दोनों में परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रंथालय में दो दिवसीय पुस्तक मेला भी आयोजित किया गया। प्रातः 11.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक चलने वाले इस पुस्तक मेले में समूचे देश के लगभग 10 से अधिक प्रकाशक हिस्सा ले रहे है। आज पुस्तक मेले के दौरान विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने पुस्तकों का क्रय किया। ग्रंथपाल डॉ. विनोद अहिरवार ने इसे अपने तरह का अनूठा पुस्तक मेला निरूपित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रथम बार बड़े–बड़े प्रकाशक एक साथ एकत्रित हुये है। इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा।

सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने वाली छात्राओं में कु. छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती शामिल थी। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत पुष्प–गुच्छ भेंटकर किया गया। आगामी 12 सितम्बर को जॉब फेयर के साथ–साथ महाविद्यालय में भूतपूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन एवं परिचर्चा राधाकृष्णन हॉल में दोपहर 12.00 बजे से आयोजित होगी।

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)

{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}

नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज

फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,

Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 12.09.2025

प्रेस विज्ञप्ति

साईंस कालेज, दुर्ग में रंगारंग राज्य स्थापना रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित

इवेंट मैनेजमेंट को करेंगे पाठ्यक्रम में शामिल – गजेन्द्र यादव

छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने का प्रस्ताव किया जायेगा। इससे सांस्कृतिक कार्यों में रूचि रखने वाले युवाओं को रोजगार प्राप्ति में सहायता होती है। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, लोक गीत, लोक परंपरा के महत्व को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जायेगा। ये उद्‌गार छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में व्यक्त किये। श्री यादव आज महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थापना के रजत जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जॉब फेयर अर्थात् रोजगार मेला, एलुमनी मीट तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों महाविद्यालय के एलुमनी तथा शहर के गणमान्य नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अवसर पर आयोजित एलुमनी मीट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत, दुर्ग के सभापति जितेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आव्हान किया कि महाविद्यालय में आने से पूर्व अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। लक्ष्य आधारित शिक्षा ही हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार ने भूतपूर्व विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे संस्था ऋण के रूप में महाविद्यालय के विकास हेतु कुछ न कुछ अवश्य देवें, जिससे आने वाले पीढ़ी हमारा अनुसरण कर सकें। महाविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. पद्‌मावती ने बताया कि दुर्ग जिले के कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने रोजगार मेला का अवलोकन किया तथा मेले में 30 से अधिक प्रतिष्ठिानों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। डॉ. पद्‌मावती के अनुसार आज आयोजित रोजगार मेला 30 से अधिक प्रतिष्ठिानों के स्टॉल लगे थे, प्रातः 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक आयोजित रोजगार मेले में 600 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हुए। मुख्य अतिथि महोदय ने मेले के प्रथम घण्टे में चयनित 10 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर सिध्द होगा, क्योंकि आज आयोजित एलुमनी मीट, रोजगार मेला तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थी अपनी दक्षता का परिचय दे रहे है। यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्‌देश्य है। एलुमनी मीट कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया

तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपमा कश्यप ने किया। इस अवसर पर एमएससी भूगर्भशास्त्र की छात्राएं छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती ने सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। एलुमनी विद्यार्थियों में अपने प्रस्तुति देने वालों में नरोत्तम साहू , श्रीमती दिलिमा मजूमदार, कु. पारूल पाण्डेय तथा आशीष देवांगन शामिल थे। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी द्वारा छत्तीसगढ़ के सफल 25 वर्ष विषय पर केन्द्रित विडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी नृत्य एवं संगीत की छठा देखते ही बनती थी। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर ने किया। दुर्ग साईंस कालेज के साथ–साथ नवीन संगीत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने पंडवानी, भरथरी, कर्मा आदि नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी। संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रिचा ठाकुर के नेतृत्व में संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता रही। आज महाविद्यालय परिसर में छत्तीगढ़ी व्यंजनों पर केन्द्रित आनंद मेले का भी आयोजन किया गया था। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरहा, ठेठरी, खुर्मी, चीला, अड़हर की खड़ी आदि का प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने खूब आनंद लिया। इन सभी आयोजनों में महाविद्यालय के कैरियर एव प्लेसमेंट सेल, सांस्कृतिक समिति तथा भूतपूर्व छात्र परिचर्चा आयोजन समिति के सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)

{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}

नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज

फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,

Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 13.09.2025

प्रेस विज्ञप्ति

साईस कालेज, दुर्ग में रंगारंग राज्य स्थापना रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित विद्यार्थियों को सदैव शिक्षा हेतु लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए– जितेन्द्र यादव

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यकमों की श्रृखंला में भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन आयोजित किया गया। राधाकृष्णन सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 250 से अधिक भूतपूर्व छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। सरस्वती वंदना एवं अतिथियों को पौधें भेंटकर स्वागत के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। कार्यक्रम के संचालक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने महाविद्यालय के विकास से संबंधित प्रमुख बिंदुओं की विस्तार से जानकारी भूतपूर्व छात्र–छात्राओं को दी। सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने वाली छात्राओं में एम.एससी भूगर्भशास्त्र तृतीय सेमेस्टर की छबि परमार, जयंती एवं लोकेश्वरी शामिल थी।

अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती केवल समय का माप नही है, बल्कि यह बीते 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ के उतार चढ़ाव, प्रगति उपलब्धियां एवं यहां कि जनता के कठिन परिश्रम का परिचायक है। डॉ. सिंह ने महाविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए भूतपूर्व छात्र–छात्राओं के योगदान की सराहना की। एलुमनी मीट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत, दुर्ग के सभापति जितेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आव्हान किया कि महाविद्यालय में आने से पूर्व अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। लक्ष्य आधारित शिक्षा ही हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। श्री यादव ने महाविद्यालय में पढ़ने के दौरान अपना सर्वोगीण

विकास करने हेतु विद्यार्थियों से आग्रह किया। महाविद्यालय के शिक्षकों के योगदान को भी श्री यादव ने रेखांकित किया। महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र सिंह परिहार ने भूतपूर्व विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे संस्था ऋण के रूप में महाविद्यालय के विकास हेतु कुछ न कुछ अवश्य देवें, जिससे आने वाले पीढ़ी हमारा अनुसरण कर सकें। श्री परिहार ने कहा कि महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति विद्यार्थियों के हित में कार्य करने हेतु कृत संकल्प है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. ए.के.खान, डॉ. अभिनेष सुराना सहित महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान एलुमनी विद्यार्थियों में अपने प्रस्तुति देने वालों में नरोत्तम साहू , श्रीमती दिलिमा मजूमदार, कु. पारूल पाण्डेय तथा आशीष देवांगन शामिल थे। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी द्वारा छत्तीसगढ़ के सफल 25 वर्ष विषय पर केन्द्रित विडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपमा कश्यप ने किया।

भाषण स्पर्धा में रश्मि ने मारी बाजी

रजत जयंती पर साइंस कॉलेज में कार्यक्रम

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर साइंस कॉलेज दुर्ग में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने रजत जयंती वर्ष को उल्लासपूर्वक मनाने कहा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ए.के. खान तथा सह-संयोजक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि क्विज प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विवेकानंद हाउस प्रथम स्थान पर रहा, जिसमें देवेश, प्रखर स्वर्णकार, यशकुमार तथा कैलाश बंजारे शामिल थे। द्वितीय स्थान पर सुभाषचंद्र बोस हाउस की टीम रही। इसमें प्रियांशु यादव, कशिश वर्मा, रामसिंह साहू तथा हीना साहू शामिल थे। तृतीय स्थान पर चंद्रशेखर आजाद हाउस तथा शहीद भगत सिंह हाउस रहें। इनके सदस्यों ने ऋषु गीर गोस्वामी, भावेश कुमार, प्रेम तथा जागृति साहू एवं रिद्धि यादव, सृष्टि, कुणाल वर्मा, मनीष कुमार शामिल थे। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने किया। क्विज प्रतियोगिता का विषय छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम 25 वर्ष था। वहीं भाषण प्रतियोगिता में बीएससी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रश्मि साहू प्रथम तथा दिनेश्वरी चन्द्राकर द्वितीय रही। एमएससी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा साक्षी बांगरे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में लगभग 25 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया तथा प्रतियोगिता का संचालन डॉ. के. पद्मावती, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी हाउस प्रभारी डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. जनेन्द्र दीवान, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. रमणी चन्द्राकर, डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय, डॉ. भारती ने किया। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. मर्सी जॉर्ज एवं डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज थी। क्विज प्रतियोगिता में कुल 121 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता का संचालन डॉ. ओम कुमारी देवांगन तथा डॉ. जिज्ञासा पाण्डेन ने किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. प्राची सिंह, डॉ. तरूण कुमार साहू, डॉ. अनुराग मिश्रा उपस्थित थे। 10 एवं 11 सितम्बर को रजत जयंती पुस्तक मेले का आयोजन होगा वहीं 10 सितम्बर को राधा कृष्णन सभागार में दोपहर 12 बजे से छत्तीसगढ़ / 2050 विषय पर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव का तथा छत्तीसगढ़ / 2047 विषय पर डॉ. कुसुमांजलि देशमुख का आमंत्रित व्याख्यान होगा।

● इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने का दिया जायेगा प्रस्ताव

रोजगार मेला में नृत्य-संगीत का आयोजन, पंडवानी, कर्मा नृत्यों ने बांधा समां, फरा, चीला रहे आकर्षण

भिलाई। सांस्कृतिक कार्यों में रूचि रखने वाले छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने का प्रस्ताव और जिसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, लोक गीत, लोक परंपरा के महत्व को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जायेगा। युवाओं को स्वरोजगार और शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए यह महत्वपूर्ण बाते छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि और विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने शुक्रवार को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में में आयोजित रोजगार मेला और एलुमनी मीट के दौरान कहा। महाविद्यालय द्वारा छग के स्थापना के रजत जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जॉब फेयर रोजगार मेला, एलुमनी मीट और छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। रोजगार मेले में 650 से अधिक विद्यार्थी ने भाग लिया और मेले के पहले घण्टे में चयनित 10 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छग शासन मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित थे। जहां उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों महाविद्यालय के एलुमनी तथा शहर के गणमान्य नागरिकों को संबोधित करते हुए उत्साह वर्धन किया।

किया रोजगार मेले का अवलोकन

एलुमनी मीट कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत दुर्ग के सभापति जितेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में आने

से पूर्व अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। लक्ष्य आधारित शिक्षा ही हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने भूतपूर्व विद्यार्थियों से आवाह किया कि वे संस्था ऋण के रूप में महाविद्यालय के विकास के लिए कुछ न कुछ अवश्य दे, जिससे आने वाले पीढ़ी हमारा अनुसरण कर सकें। इस दौरान दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रोजगार मेला का अवलोकन किया और मेले में 30 से अधिक प्रतिष्ठानों की सहभागिता को सराहा। इस दौरान आयोजन समिति के संयोजक डॉ. ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना और डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी उपस्थित थे।

विडियों में दिखाया 25 वर्षो का सफर

इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी द्वारा छत्तीसगढ़ के सफल 25 वर्ष विषय पर केन्द्रित विडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। एमएससी भूगर्भशास्त्र की छात्राएं छवि परमार, लोकेश्वरी और जयंती ने सरस्वती वंदना व राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। एलुमनी विद्यार्थियों में नरोत्तम साहू, दिलिमा मजूंमदार, पारूल पाण्डेय और आशीष देवांगन ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

10 विद्यार्थियों को दिया नियुक्ति पत्र : महाविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. पद्मावती ने बताया कि रोजगार मेले में 30 से अधिक प्रतिष्ठानों के स्टॉल लगाए गये थे। 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित रोजगार मेले में 650 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हुए। मुख्य अतिथि ने मेले के पहले घण्टे में चयनित 10 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि एलुमनी मीट, रोजगार मेला और छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थी अपनी दक्षता का परिचय दे रहे है, जो महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा, क्योंकि आज आयोजित यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य है।

साईंस कालेज, दुर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना की रजत जयंती समारोह के अवसर पर पुस्तक मेला एवं परिचर्चा आयोजित

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष हम सभी के लिये प्रेरणादायी : सरस्वती बंजारे

◆ ओम दर्पण
omdarpan.com

(रोहितास सिंह भुवाल)

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष की स्वर्णिम यात्रा हम सभी के लिये प्रेरणादायी है। अब हम सभी इसे पूर्ण विकसित राज्य बनाने हेतु हर संभव योगदान करना चाहिये। ये उद्गार दुर्ग जिला पंचायत, अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे ने आज व्यक्त किये। श्रीमती बंजारे शासकीय विश्वनाथ तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को संबोधित कर रही थी। श्रीमती बंजारे ने कहा सपना ऐसे होना चाहिये कि जिससे हमें नींद न आये आज भारत विश्व की चौथी बड़ी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, श्रीमती बंजारे ने उपस्थित विद्यार्थियों से आव्हान किया कि संघर्ष करने वालो की कभी हार नहीं होती। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम आयोजन समिति के संयोजक डॉ. ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा सह-संयोजक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि आज महाविद्यालय के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ @ 2050 तथा छत्तीसगढ़ @ 2047 विषय पर दो सारगर्भित व्याख्यान आयोजित हुये। प्रथम व्याख्यान में छत्तीसगढ़ @2050 पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रोफेसर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 25 वर्षों में हमारा प्रदेश विकसित प्रदेशों की श्रेणी में आ जायेगा। इस हेतु अधोसंरचना में वृध्दि सामाजिक समानता तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उन्नति की आवश्यकता है। दूसरे व्याख्यान में छत्तीसगढ़ @2047 में सहायक प्राध्यापक डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने बहुत ही अच्छे ढंग से 1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय से 2047 तक की संभावित यात्रा का प्रस्तुतिकरण किया।

इस अवसर पर उपस्थित जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कौशिक ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी को देते हुए अनौपचारिक रूप से कहा कि अब छत्तीसगढ़ को 2050 तक विकसित प्रदेश बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय जनभागीदारी समिति

के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए अनौपचारिक रूप से कहा कि विद्यार्थियों को सदैव चिंतनशील रहना चाहिये तथा समाज के हित में विभिन्न मुद्दों पर सोचना चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश ने पिछले 25 वर्षों में अनेक उतार चढ़ाव देखें हैं। हमारे प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह हम सभी का दायित्व है,

कि अपने छत्तीसगढ़ प्रदेश को आगे बढाने में हम सभी यथा संभव योगदान करें। पुस्तक मेला के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थियों की सच्ची मित्र होती है। अच्छी पुस्तकों के अध्ययन से विद्यार्थियों की दशा एवं दिशा दोनों में परिवर्तन संभव है। डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयती समय की माप नही है, बल्कि यह हमारे प्रदेश की संघर्ष शीलता, संस्कृति एवं आत्म गौरव का प्रतीक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रंथालय में दो दिवसीय पुस्तक मेला भी आयोजित किया गया। प्रातः 11.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक चलने वाले इस पुस्तक मेले में समूचे देश के लगभग 10 से अधिक प्रकाशक हिस्सा ले रहे है। आज पुस्तक मेले के दौरान विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने पुस्तकों का क्रय किया। ग्रंथपाल डॉ. विनोद अहिरवार ने इसे अपने तरह का अनूठा पुस्तक मेला निरूपित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रथम बार बड़े-बड़े प्रकाशक एक साथ एकत्रित हुये है। इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा।

सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने वाली छात्राओं में कु. छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती शामिल थी। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। आगामी 12 सितम्बर को जॉब फेयर के साथ-साथ महाविद्यालय में भूतपूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन एवं परिचर्चा राधाकृष्णन हॉल में दोपहर 12.00 बजे से आयोजित होगी।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पाठ्यक्रम में करेंगे शामिल : मंत्री गजेन्द्र यादव

साइंस कालेज में रोजगार मेला, 650 विद्यार्थी पंजीकृत, 30 से अधिक प्रतिष्ठानों के लिए साक्षात्कार

दुर्ग, 12 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने का प्रस्ताव किया जायेगा। इससे सांस्कृतिक कार्यों में रूचि रखने वाले युवाओं को रोजगार प्राप्ति में सहायता होती है। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, लोक गीत, लोक परंपरा के महत्व को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जायेगा।ये उद्गार छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में व्यक्त किये। श्री यादव आज महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थापना के रजत जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जॉब फेयर अर्थात् रोजगार मेला, एलुमनी मीट तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों महाविद्यालय के एलुमनी तथा शहर के गणमान्य नागरिकों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर आयोजित एलुमनी मीट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत, दुर्ग के सभापति जितेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आव्हान किया कि महाविद्यालय में आने से पूर्व अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। लक्ष्य आधारित षिक्षा ही हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने भूतपूर्व विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे संस्था ऋण के रूप में महाविद्यालय के विकास हेतु कुछ न कुछ अवश्य देवें, जिससे आने वाले पीढ़ी हमारा अनुसरण कर सकें। महाविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. पद्मावती ने बताया कि दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रोजगार मेला का अवलोकन किया तथा मेले में 30 से अधिक प्रतिष्ठिानों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। डॉ. पद्मावती के अनुसार आज आयोजित रोजगार मेला 30 से अधिक प्रतिष्ठिानों के स्टॉल लगे थे, प्रात: 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित रोजगार मेले में 650 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हुए। मुख्य अतिथि ने मेले के प्रथम घण्टे में चयनित 10 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर सिध्द होगा, क्योंकि आज आयोजित एलुमनी मीट, रोजगार मेला तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थी अपनी दक्षता का परिचय दे रहे है। एलुमनी मीट कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपमा कश्यप ने किया। इस अवसर पर एमएससी भूगर्भशास्त्र की छात्राएं छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती ने सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। एलुमनी विद्यार्थियों में अपने प्रस्तुति देने वालों में नरोत्तम साहू, श्रीमती दिलिमा मजूमदार, कु. पारूल पाण्डेय तथा आषीष देवांगन शामिल थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी नृत्य एवं संगीत की छटा देखते ही बनती थी। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर ने किया।दुर्ग साईंस कालेज के साथ-साथ नवीन संगीत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पंडवानी, भरथरी, कर्मा आदि नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी। संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रिचा ठाकुर के नेतृत्व में संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता रही।

नवभारत my city दुर्ग शहर

साइंस कॉलेज में पुस्तक मेला ने खींचा ध्यान

दुर्ग जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने कहा- छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष हम सभी के लिए प्रेरणादायी

नवभारत रिपोर्टर । दुर्ग ।

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष की स्वर्णिम यात्रा हम सभी के लिये प्रेरणादायी है। अब हम सभी इसे पूर्ण विकसित राज्य बनाने हेतु हर संभव योगदान करना चाहिये। ये उद्गार दुर्ग जिला पंचायत, अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे ने व्यक्त किए। श्रीमती बंजारे शासकीय विश्वनाथ तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थी।

आयोजन समिति के संयोजक डॉ. ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा सह-संयोजक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि महाविद्यालय के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़/2050 तथा छत्तीसगढ़/2047 विषय पर दो व्याख्यान आयोजित हुए। छत्तीसगढ़/2050 पर प्रोफेसर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 25 वर्षों में हमारा प्रदेश विकसित प्रदेशों की श्रेणी में आ जाएगा। इस हेतु अधोसंरचना में वृध्दि सामाजिक समानता तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उन्नति की आवश्यकता है। दूसरे व्याख्यान में छत्तीसगढ़/2047 में सहायक प्राध्यापक डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने अच्छे ढंग से 1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय से 2047 तक की संभावित यात्रा का प्रस्तुतिकरण किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने कहा कि अब छत्तीसगढ़ को 2050 तक विकसित प्रदेश बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए अनौपचारिक रूप से कहा कि विद्यार्थियों को सदैव चिंतनशील रहना चाहिए तथा समाज के हित में विभिन्न मुद्दों पर सोचना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश ने पिछले 25 वर्षों में अनेक उतार चढ़ाव देखें हैं। हमारे प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह हम सभी का दायित्व है, कि अपने छत्तीसगढ़ प्रदेश को आगे बढ़ाने में हम सभी यथा संभव योगदान करें। 12 सितम्बर को जॉब फेयर के साथ-साथ महाविद्यालय में भूतपूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन एवं परिचर्चा राधाकृष्णन हॉल में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगी।

बेहतर किताब से दशा व दिशा में परिवर्तन

पुस्तक मेला के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थियों की सच्ची मित्र होती है। अच्छी पुस्तकों के अध्ययन से विद्यार्थियों की दशा एवं दिशा दोनों में परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

देश के 10 से अधिक प्रकाशक शामिल

महाविद्यालय के ग्रंथालय में दो दिनों तक चलने वाले पुस्तक मेला में देश के लगभग 10 से अधिक प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं। पुस्तक मेले के दौरान विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने पुस्तकों का क्रय किया। ग्रंथपाल डॉ. विनोद अहिरवार ने इसे अपने तरह का अनूठा पुस्तक मेला निरूपित करार दिया।

...मेला, एलुमिनी मीट, आनंद मेला लगाया गया

लोक नृत्य, गीतों को पाठ्यक्रम में शामिल करेंगे, युवाओं को रोजगार मिलेगा : गजेंद्र

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

साइंस कॉलेज में छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती के अवसर पर हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि शामिल हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार दिलाने की दृष्टि से इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इसका प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। इससे सांस्कृतिक कार्यों में रुचि रखने वाले युवाओं को रोजगार पाने में सहुलियत होगी।

इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, लोक गीत, लोक परंपरा के महत्व को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। वह साइंस कॉलेज में लगाए गए रोजगार मेला, एलमनी मीट तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेले में उपस्थित युवाओं से सीधे संवाद किया और उनकी उत्सुकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अब एक सक्षम, उर्जावान राज्य बन चुका है। हमारा राज्य पूरे देश में रोजगार, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं का उदाहरण बन रहा है। उन्होंने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि अब पढ़ाई के साथ-साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी युवाओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जो छात्र पढ़ाई में रुचि नहीं रखते, उन्हें उनकी रुचि अनुसार इवेंट मैनेजमेंट, लोकसंस्कृति, संगीत, वादन आदि में प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि चाहे नौकरी मिले या न मिले, स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर दूसरों को भी रोजगार देने योग्य बनें। मेले में 28 प्रतिष्ठित कंपनियां आईं। मंत्री यादव ने 10 चयनित युवाओं को मौके पर नियुक्ति पत्र दिया।

दुर्ग जिला पंचायत के सभापति जितेंद्र यादव एलुमिनी मीट के मुख्यअतिथि रहे। उन्होंने कहा कि छात्र महाविद्यालय में आने से पहले अपना लक्ष्य निर्धारित कर लें। लक्ष्य आधारित शिक्षा ही हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह परिहार ने पूर्व विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे संस्था ऋण के रूप में महाविद्यालय के विकास के लिए कुछ न कुछ अवश्य दें, जिससे आने वाले पीढ़ी हमारा अनुशरण कर सके। प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. पद्मावती ने बताया कि दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रोजगार मेला का अवलोकन किया। मेले में 650 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

दुर्ग साइंस कालेज के साथ नवीन संगीत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पंडवानी, भरथरी, कर्मा आदि छत्तीसगढ़ी नृत्यों की प्रस्तुति दी। संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर के नेतृत्व में संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता दी। महाविद्यालय परिसर में छत्तीगढ़ी व्यंजनों पर केंद्रित आनंद मेला भी लगाया गया। विद्यार्थियों द्वारा निर्मित छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरहा, ठेठरी, खुर्मी, चीला, अरहर की कढ़ी का सभी ने आनंद लिया। इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक डॉ. एके खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा डॉ. अंबरीष त्रिपाठी सभी प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं और महाविद्यालय का स्टॉफ उपस्थित रहे।

विद्यार्थी अपनी दक्षता का परिचय दे रहे हैं : डॉ. सिंह

संस्था के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। आयोजित एलुमिनी मीट, रोजगार मेला तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थी अपनी दक्षता का परिचय दे रहे हैं। इसका संचालन प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपमा कश्यप ने किया। छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती ने सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। एलुमनी विद्यार्थियों में नरोत्तम साहू, दिलिमा मजूमदार, पारूल पांडेय तथा आशीष देवांगन ने प्रस्तुति दी। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अंबरीश त्रिपाठी ने छत्तीसगढ़ के सफल 25 वर्ष विषय पर केंद्रित विडियो फिल्म का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी नृत्य एवं संगीत की छटा बिखरी रही। इसका संचालन डॉ. ज्योति धारकर ने किया।

साइंस कॉलेज में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती समारोह में पुस्तक मेला और परिचर्चा का आयोजन

विद्यार्थियों को हमेशा चिंतनशील रहना चाहिए, सपना ऐसा देखें कि रातों को नींद न आए, यही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी

साइंस कॉलेज में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक मेला के साथ परिचर्चा हुई, जिसमें विषय विशेषज्ञों ने अपने अनुभव शेयर किए। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेंद्र परिहार ने कॉलेज से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी को हमेशा चिंतनशील रहना चाहिए। उसे हर समय विषयों को जानने और समझने की भूख होनी चाहिए। हर समय मन में सवाल उठना चाहिए, उन सवालों का जवाब जब तक न मिले, अपने शिक्षकों से पूछते रहना चाहिए। जिला पंचायत की अध्यक्ष अमिता बंजारे ने कहा कि युवा सपना ऐसा देखें कि रातों की नींद उड़ जाए। लक्ष्य प्राप्ति तक बिना रुके पढ़ाई करते रहना चाहिए। यही सफलता की कुंजी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश ने पिछले 25 वर्षों में अनेक उतार चढ़ाव देखें हैं। हमारे प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह हम सभी का दायित्व है, कि अपने छत्तीसगढ़ प्रदेश को आगे बढ़ाने में हम सभी यथा संभव योगदान करें।

दुर्ग। आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष की यात्रा पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हम सभी इसे पूर्ण विकसित राज्य बनाने हेतु हर संभव योगदान करना चाहिये। बंजारे ने छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि सपना ऐसे होना चाहिये कि जिससे हमें नींद न आये ।आज भारत विश्व की चौथी बड़ी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। संघर्ष करने वालों की कभी हार नहीं होती। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. एके खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा सह-संयोजक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि राधाकृष्णन सभागार में छत्तीसगढ़ 2050 तथा छत्तीसगढ़ 2047 विषय पर दो सारगर्भित व्याख्यान हुए। प्रथम व्याख्यान में छत्तीसगढ़ 2050 पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रोफेसर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 25 वर्षों में हमारा प्रदेश विकसित प्रदेशों की श्रेणी में आ जायेगा। इस हेतु अधोसंरचना में वृध्दि सामाजिक समानता तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उन्नति की आवश्यकता है। दूसरे व्याख्यान में छत्तीसगढ़ 2047 में सहायक प्राध्यापक डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने बहुत ही अच्छे ढंग से 1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय से 2047 तक की संभावित यात्रा का प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर उपस्थित जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी को देते हुए कहा कि अब छत्तीसगढ़ को 2050 तक विकसित प्रदेश बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। शिवेन्द्र सिंह परिहार ने महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सदैव चिंतनशील रहना चाहिये। समाज के हित में विभिन्न मुद्दों पर सोचना चाहिये। कार्यकम की अध्यक्षता करते हुए

पुस्तक मेले का भी आयोजन, देशभर के 10 से ज्यादा प्रकाशक ले रहे भाग

पुस्तक मेला के आयोजन किया गया। डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थियों की सच्ची मित्र होती है। अच्छी पुस्तकों के अध्ययन से विद्यार्थियों की दशा एवं दिशा दोनों मे परिवर्तन संभव है। डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती समय की माप नहीं है, बल्कि यह हमारे प्रदेश की संघर्ष शीलता, संस्कृति एवं आत्म गौरव का प्रतीक है। यह कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिनेष सुराना ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रंथालय में दो दिवसीय पुस्तक मेला भी आयोजित किया गया। सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक चलने वाले इस पुस्तक मेले में समूचे देश के लगभग 10 से अधिक प्रकाशक हिस्सा लिया। आज पुस्तक मेले के दौरान विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने पुस्तक क्रय किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुत, सरस्वती वंदना से शुरुआत

ग्रंथपाल डॉ. विनोद अहिरवार ने इसे अपने तरह का अनूठा पुस्तक मेला निरूपित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रथम बार बड़े ... प्रकाशक एक साथ एकत्रित हुये है। इसका ... लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने वाली छात्राओं में छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती शामिल थी। कार्यकम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। आगामी 12 सितम्बर को जॉब फेयर के साथ-साथ महाविद्यालय में भूतपूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन एवं परिचर्चा राधाकृष्णन हॉल में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगी। पुस्तक मेला में कई दुर्लभ पुस्तकों को अवलोकन के लिए रखा गया है। ताकि युवाओं को इसके अध्ययन का मौका मिल सके।

नलसी लेकर विधिवत कार्यवाही की गया। गवाहो के समक्ष अवैध मादक पदार्थ गांजा को तौल करने पर बाईस किलोग्राम होना

40 वर्ष शिवाजी नगर गोवंडी मुम्बई और राहुल तिवारी उम्र 29 वर्ष बैजनाथ पारा दुर्ग (छत्तीसगढ़) ।

सबसे छोटे हैं। उन्होंने अपनी प्राथमिकी पढ़ाई हरदा में करने के बाद परसदा से दसवीं उत्तीर्ण किया है। इस

प्रतिभागियों में मुझे प्रथम पुरस्कार मिला। इसके बाद मैंने सभी त्यौहारों एवं राष्ट्रीय पर्व में अपने द्वारा बनाये

तरह से कलाकारी के माध्यम से अपने गांव , जिला और प्रदेश का नाम रोशन करना चाहते हैं।

साईंस कालेज, दुर्ग में रंगारंग राज्य स्थापना रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित इवेंट मैनेजमेंट को करेंगे पाठ्यक्रम में शामिल - गजेन्द्र यादव

धर्मेंद्र गुप्ता राजधानी रिपोर्टर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से इवेंट मैनेजमेंट को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने का प्रस्ताव किया जायेगा। इससे सांस्कृतिक कार्यों में रूचि रखने वाले युवाओं को रोजगार प्राप्ति में सहायता होती है। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, लोक गीत, लोक परंपरा के महत्व को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जायेगा। ये उद्?गार छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में व्यक्त किये।

यादव महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थापना के रजत जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जॉब फेयर अर्थात् रोजगार मेला, एलुमनी मीट तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यकमों में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों महाविद्यालय के एलुमनी तथा शहर के गणमान्य नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना तथा डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अवसर पर आयोजित एलुमनी मीट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत, दुर्ग के सभापति जितेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आव्हान किया कि महाविद्यालय में आने से पूर्व अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। लक्ष्य आधारित शिक्षा ही हमें जीवन में आगे बढ़ाती है। महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने भूतपूर्व विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे संस्था ऋण के रूप में महाविद्यालय के विकास हेतु कुछ न कुछ अवश्य देवें, जिससे आने वाले पीढ़ी हमारा अनुसरण कर सकें। महाविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. प?द्मावती ने बताया कि दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रोजगार मेला का अवलोकन किया तथा मेले में 30 से अधिक प्रतिष्ठानों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

डॉ. प?द्मावती के अनुसार आज आयोजित रोजगार मेला 30 से अधिक प्रतिष्ठानों के स्टॉल लगे थे, प्रातः 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक आयोजित रोजगार मेले में 650 से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हुए। मुख्य अतिथि महोदय ने मेले के प्रथम घण्टे में चयनित 10 विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर सिध्द होगा, क्योंकि आज आयोजित एलुमनी मीट, रोजगार मेला तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थी अपनी दक्षता का परिचय दे रहे है। यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य है। एलुमनी मीट कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपमा कश्यप ने किया।

इस अवसर पर एमएससी भूगर्भशास्त्र की छात्राएं छवि परमार, लोकेश्वरी तथा जयंती ने सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। एलुमनी विद्यार्थियों में अपने प्रस्तुति देनेवालों में नरोत्तम साहू, श्रीमती दिलिमा मजूमदार, कु. पारूल पाण्डेय तथा आशीष देवांगन शामिल थे। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी द्वारा छत्तीसगढ़ के सफल 25 वर्ष विषय पर केन्द्रित विडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी नृत्य एवं संगीत की छटा देखते ही बनती थी। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर ने किया। दुर्ग साईंस कालेज के साथ-साथ नवीन संगीत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पंडवानी, भरथरी, कर्मा आदि नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी। संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रिचा ठाकुर के नेतृत्व में संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता रही। आज महाविद्यालय परिसर में छत्तीगढ़ी व्यंजनों पर केन्द्रित आनंद मेले का भी आयोजन किया गया था। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरहा, ठेठरी, खुर्मी, चीला, अड़हर की खड़ी आदि का प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने खूब आनंद लिया। इन सभी आयोजनों में महाविद्यालय के कैरियर एव प्लेसमेंट सेल, सांस्कृतिक समिति तथा भूतपूर्व छात्र परिचर्चा आयोजन समिति के सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

का वातावरण छाया हु से 17 सितंबर तक सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान में छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र और राष्ट्रीय कथावाचक आचार्य श्रद्धालुओं को भागवत प्रसाद केंवट के अथ उन्होंने बताया कि इस प्रचार-प्रसार करना अ कथा के पहले दिन श्रद्धालु कथा श्रवण क अपने प्रवचनों में भा तरीके से प्रस्तुत कि भगवान की लीलाओ महत्व पर प्रकाश ड प्रस्तुतियों ने माहौल गोपाल प्रसाद केंवट अधिक से अधिक सं और पुण्य के भागी सामाजिक सद्भाव को का समापन 17 सितं आयोजन किया जाएग

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

ORGANIZES

ONE DAY WORKSHOP

On

"IPR and Scientific Publication: Excellence in Research and Innovation"

28th October 2025

(Funded by RUSA 2.0)

IPR and Publications: Time to Move Forward Together: Professor Sanjay J. Dhoble

IPR and Publications: New Opportunities for Researchers: Dr. Nilesh S. Ugemuge

The workshop at the Government Vishwanath Yadav Tamskar Postgraduate Autonomous College, Durg, began with Saraswati Vandana and the lighting of the lamp. All distinguished guests were welcomed with bouquets. The workshop discussed IPR (Intellectual Property Rights) and scientific publications. The workshop aimed to raise awareness among researchers and scientists about publishing their research work and protecting their intellectual property rights. Speaking at the workshop, Dr. Nilesh S. Ugemuge, Assistant Professor, Anand Niketan College, Anandvan, Warora, said that the importance of IPR and scientific publications is increasing, and it is essential for researchers to secure IPR before publishing their research. He added that due to lack of awareness about IPR, researchers are unable to reap the benefits of their research. During the workshop, they shared their experiences and discussed IPR-related issues.

In the second session of the workshop, Professor Sanjay J. Dhoble, Department of Physics, RTM Nagpur University, who is among the top two percent of scientists in the world, provided detailed information on various aspects of the selection of Scopus-based journals, research paper writing techniques, and the publication process. He provided valuable advice to researchers on how to effectively present their research and publish in high-impact journals. Sharing his experiences, he discussed the various challenges associated with publishing in Scopus-based journals and provided useful suggestions to help researchers better publish their research. Professor Sanjay J. Dhoble has published over 1,000 research papers in Scopus and Web of Science, holds over 120 patents, has guided 81 students to obtain PhD degrees, and has published 38 books internationally.

Principal Dr. Ajay Kumar Singh, while explaining the purpose of the workshop, said that we are still lagging behind in the field of quality research and should continue to strive to improve

our research so that we can establish ourselves internationally. He added that research should be conducted to uplift the standard of living of the common man. Workshop coordinator Dr. Jagjit Kaur Saluja, in her address, highlighted the key points of the workshop and the role of IPR in scientific publications. Dr. Sunitha Mathew provided a comprehensive overview of the entire workshop and explained that this workshop will help researchers publish their research in high-impact journals and improve the quality of their research. IQAC coordinator Dr. Pragya Kulkarni presented the vote of thanks. The workshop was successfully conducted by Dr. Sanju Sinha. All the college professors, visiting professors, and researchers participated in the workshop. IQAC members Dr. Pragya Kulkarni, Dr. Sunitha B., and Dr. Sunitha B. contributed to the success of the program. Mathew, Dr. Sanju Sinha, Dr. Abhishek Mishra, Dr. Latika Tamrakar, Dr. Kusumanjali Deshmukh had significant contributions.

प्रेस विज्ञप्ति

आईपीआर और वैज्ञानिक प्रकाशनों पर कार्यशाला का आयोजन

आईपीआर और प्रकाशनरू एक साथ आगे बढ़ने का समय: प्रोफेसर संजय जे ढोबले

आईपीआर और प्रकाशनरू शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर: डॉ नीलेश एस उगेमुगे

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में कार्यशाला का उद्घाटन सरस्वती वंदना एवं द्वीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। सभी माननीय अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ द्वारा किया गया। कार्यशाला में आईपीआर यबौद्धिक संपदा अधिकार एवं वैज्ञानिक प्रकाशनों पर चर्चा की गई । इस कार्यशाला का उद्देश्य शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को अपने शोध कार्य को प्रकाशित करने और अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करने के बारे में जागरूक करना था।

कार्यशाला में वक्ता के रूप में डॉ नीलेश एस उगेमुगे सहायक प्रोफेसर आनंद निकेतन कॉलेज आनंदवनए वरोरा ने कहा कि आईपीआर और वैज्ञानिक प्रकाशनों का महत्व बढ़ रहा है और शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्य को प्रकाशित करने से पहले आईपीआर को सुरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आईपीआर के बारे में जागरूकता की कमी के कारण शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्य का उचित लाभ नहीं मिल पाता है। कार्यशाला में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और आईपीआर संबंधी समस्याओं पर चर्चा की।

इस कार्यशाला के दूसरे सत्र में विश्व मे दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की लिस्ट में शामिल प्रोफेसर संजय जे ढोबले भौतिकी विभाग आरण्टीण्एमण्नागपुर विश्वविद्यालयने स्कोपस आधारित पत्रिकाओं के चयन शोध पत्र लिखने की तकनीक और प्रकाशन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्य को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने और उच्चण्प्रभावी पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। अपने अनुभव साझा करते हुए स्कोपस आधारित पत्रिकाओं में प्रकाशन से संबंधित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की और उन्हें अपने शोध कार्य को बेहतर ढंग से प्रकाशित करने में मदद करने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। प्रोफेसर संजय जे ढोबले ने स्कोपस और वेब ऑफ़ साइंस में १००० से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किये है ए उनके १२० से अधिक पेटेंटए ८१ विद्यार्थियों ने उनके मार्गदर्शन में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है तथा ३८ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तकों का प्रकाशन किया है।

प्राचार्य डॉ अजय कुमार सिंह ने कार्यशाला का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हम गुणवत्ता परक शोध के क्षेत्र में अभी भी बहुत पीछे है और हमें अपने शोध को गुणवत्तापरक बनाने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। जिससे हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेए उन्हों

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, दुर्ग विश्वविद्यालय परिक्षेत्र

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "राष्ट्रीय संगोष्ठी"

"छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा: सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा"

'रूसा 2.0 द्वारा प्रायोजित'

दिनांक: 30.10.2025

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, दुर्ग विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में "छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा: सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 30 अक्टूबर 2025 को किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मंत्री श्री टंक राम वर्मा थे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री महेन्द्र कपूर (अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, दिल्ली) एवं डॉ. संजय तिवारी, कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के पूजन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संगोष्ठी के संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. अजय कुमार सिंह** ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा की प्राचीनता, समृद्धि तथा छत्तीसगढ़ की लोक–संस्कृति के माध्यम से उसके संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान शैक्षिक परिवेश में भारतीय ज्ञान-संस्कृति के पुनरुत्थान एवं अनुसंधानपरक अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया। संगोष्ठी की संयोजक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने विषय–वस्तु एवं उद्देश्य का विस्तृत परिचय देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय, लोक–कलात्मक, साहित्यिक एवं आध्यात्मिक परंपराएँ भारतीय ज्ञान–परंपरा की अमूल्य विरासत हैं, जिन पर अकादमिक दृष्टि से कार्य किए जाने की अत्यंत आवश्यकता है। आयोजन सचिव डॉ. अम्बरीष त्रिपाठी ने संगोष्ठी की रूपरेखा, तकनीकी सत्रों तथा शोध–पत्र प्रस्तुतियों की जानकारी दी।

देशभर से शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं अध्यापकों ने इसमें प्रतिभाग किया और कुल मिलाकर अनेक शोध–पत्र प्राप्त हुए, जिनमें भारतीय ज्ञान–परंपरा, छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोक–कला, जल–वन–भूमि संरक्षण, पारंपरिक औषधीय ज्ञान, शिक्षण–पद्धतियाँ, लोक–भाषाएँ एवं मौखिक परंपराएँ जैसे विविध विषयों पर विचार प्रस्तुत किए गए।

संगोष्ठी में प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपने शोधपरक विचार प्रस्तुत किए—

डॉ. सी. डी. अघाशे, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ़ स्टडीज़ इन फिजिकल एजुकेशन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

डॉ. आर. डी. शर्मा, प्रांत संयोजक, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, छत्तीसगढ़, रायपुर

डॉ. राजेश पांडेय, पूर्व प्राचार्य, शासकीय डी.टी. कॉलेज, उतई

श्री शशांक शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी, रायपुर

श्री रामनाथ कश्यप, प्रांत संगठन मंत्री, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, रायपुर

सभी वक्ताओं ने छत्तीसगढ़ के लोकज्ञान, जनजातीय परंपराओं, भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान, भारतीय दार्शनिक दृष्टि तथा संरक्षण की रणनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोकज्ञान परंपरा को भारतीय दर्शन एवं ज्ञान–मीमांसा के व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही यह भी बताया कि आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल साधनों का उपयोग करके इस अमूल्य सांस्कृतिक पूँजी का प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है।

संगोष्ठी में कुल 106 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों द्वारा कुल 11 शोध–पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें छत्तीसगढ़ की लोक–परंपरा, ज्ञान–मीमांसा, लोक–कला, उपचार परंपरा, संस्कृति–संरक्षण और शिक्षा–दर्शन आदि विषय शामिल थे।

सभी तकनीकी सत्र अत्यंत सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक रहे। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न–उत्तर सत्रों में सहभागिता निभाई। अंत में आयोजित समापन सत्र में प्रतिभाग प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।

समापन सत्र में अतिथियों द्वारा प्रतिभाग प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। आभार प्रदर्शन *आयोजन सचिव डॉ. अम्बरीष त्रिपाठी* द्वारा किया गया। उन्होंने रूसा 2.0, महाविद्यालय प्रशासन, IQAC, सहयोगी संस्थानों, तकनीकी टीम एवं सभी प्रतिभागियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। यह संगोष्ठी भारतीय ज्ञान–परंपरा के अध्ययन एवं संरक्षण के प्रति एक सशक्त और सफल आयोजन सिद्ध हुआ।

#nationalseminar भारतीय ज्ञान परंपरा-सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा विषय पर संगोष्ठी

संस्कारित व नैतिक शिक्षा होती है समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव: मंत्री टंकराम वर्मा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुर्ग. उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि संस्कारित व नैतिक शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। छत्तीसगढ़ की स्मृति और भारतीय संस्कृति दोनों ही अत्यंत समृद्ध है। हमारी मूल अवधारणा अतिथि देवो भव: और वसुधैव कुटुम्बकम के भाव पर आधारित है। वे छग की भारतीय ज्ञान परंपरा-सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा विषय पर साइंस कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है, जो भौगोलिक या राजनीतिक सीमाओं से नहीं, बल्कि अपनी ज्ञान परम्पराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से पहचानी जाती है।

आज का सृजन, कल का आधार

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज का सृजन ही कल के विश्वगुरु भारत का आधार बनेगा। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे ज्ञान परंपरा के संरक्षक और सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि प्रश्न करना ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मनुष्य को केवल बुद्धिमान ही नहीं, बल्कि विवेकवान बनाती है और यह भारतीय संस्कृति को उसकी जड़ों से जोड़े रखने का माध्यम है। आर्यभट्ट के शून्य और दशमलव पद्धति से लेकर मीराबाई सहित अन्य संतों की रचनाओं ने विश्व को नई उंचाइयां दी हैं।

बेहतर काम कर रही सरकार

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, सक्षम और स्वच्छ राष्ट्र बनाना। इस दिशा में केन्द्र और राज्य सरकार भी सक्रियता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य तभी संभव होगा जब हम सभी मिलकर कार्य करें। इससे समाज सहित राष्ट्र का भी उत्थान होगा। उन्होंने इस दौरान युवाओं को भारतीय संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए आगे आने की अपील की।

भारत की परंपराएं दिशा प्रदान करने वाली

भारत की परम्पराएं केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती हैं। वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, ज्योतिष, खगोलशास्त्र, गणित और दर्शन जैसे विषयों की समृद्ध परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्पराओं का आधार आध्यात्म, नैतिकता व व्यवहारिकता है। नई शिक्षा नीति 2020 इसी परंपरा के आधुनिक रूप में बढ़ रही है। नई नीति शिक्षा को रोजगार, संस्कृति व आध्यात्म से जोड़ने का कार्य करेगी। इस मौके पर प्राचार्य अजय कुमार सिंह, संयोजक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, हेमचंद विवि के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, महेन्द्र कपूर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

छग की संस्कृति एवं सभ्यता हमारी जीवनशैली : उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा

दुर्ग, 30 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की संस्कृति जीवन दायिनी है। इसका हम सभी को सम्मान करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा, दर्शन, कला, ज्योतिष, अध्यात्म, वैज्ञानिकता में भी प्रदर्शित होती है। ये उद्गार छ.ग. शासन के उच्चशिक्षा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में व्यक्त किये। श्री वर्मा आज महाविद्यालय के आईक्यूएसी सेल एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दुर्ग वि.वि. परिक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में रूसा 2.0 के अंतर्गत आयोजित छ.ग. की भारतीय ज्ञान परंपरा - सृजन और संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित प्राध्यापकों, गणमान्य नागरिकों, छत्तीसगढ़ के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से पधारे शोधकर्ताओं एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। श्री वर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा को सबसे प्राचीन सभ्यता बताते हुए कहा यह कोई लिखित दस्तावेज मात्र नही है, बल्कि यह हमारे जीवन शैली में निहित है। उच्चशिक्षा मंत्री श्री वर्मा ने छत्तीसगढ़ की महत्ता पर केन्द्रित एक मधुर गीत भी प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ग्रंथों तक सीमित नही है बल्कि निरंतर सृजित हो रही है। डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति ने रामायण, महाभारत की कथा को आत्मसात करते हुए पंडवानी तथा कबीर पंथी परंपरा ने ज्ञान परंपरा को दूर-दूर तक पहुंचाया है।

साइंस कॉलेज में छग की ज्ञान परंपरा पर एक दिवसीय संगोष्ठी

हेमचंद यादव वि.वि., दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की परंपरा पूर्व में भी गौरवशाली थी तथा इसका भविष्य भी महान है, जब तक हमारी गौरवशाली संस्कृति हर व्यक्ति के भीतर समाहित है, तब तक कोई भी हम पर शासन नही कर सकता।

अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेन्द्र कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि उत्कृष्ट भविष्य के निर्माण के लिये हमें अपने समृध्द इतिहास एवं गौरवशाली वर्तमान में निहित पारंपरिक ज्ञान को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। आज शिक्षक के सम्मान को सर्वोपरि रखना होगा तथा हम सभी को शैक्षणिक संस्थानों को तीर्थ बनाना होगा। संगोष्ठी के आरंभ में महाविद्यालय की आईक्यूएसी संयोजक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डाला। इस सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया।

द्वितीय सत्र में डॉ. राजीव प्रकाश, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई ने अपने आमंत्रित व्याख्यान में कहा कि किसी तंत्र को कमजोर करने के लिए समाज में भेद उत्पन्न करना ही काफी होता है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा का अर्थ लोगों को क्षेत्रीयता में बांटना नही अपितु अनेक क्षेत्रों की परंपराओं में पारंगत करना होता है। हमें आवश्यकता है, कि हम अपने ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर नये परियोजनाओं पर कार्य करें और देश के विकास में सहयोग दें।

डॉ. सी.डी. अगासे विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने छत्तीसगढ़ की खेल एवं शारीरिक व्यायाम से संबंधित प्राचीन परंपराओं का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार खेल हमारी नित प्रतिदिन जीवन का एक अहम हिस्सा होती थी, जो हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखती थी।

तृतीय सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों के 13 प्रतिभागियों के द्वारा अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। सभी प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. राजेश पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उतई ने की।

कार्यक्रम के समापन समारोह में शशांक शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी, रायपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ की साहित्यिक यात्रा अत्यंत प्राचीन एवं समृध्द रही है। छत्तीसगढ़ भूमि अनेक लोक कलाकारों की कर्मभूमि रही है।

समापन समारोह के विषिष्ट अतिथि रामनाथ कश्यप, प्रांत संगठन मंत्री, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, रायपुर ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ी रही है। श्री कश्यप ने कहा कि आदिवासी जनजाति अनपढ़ कही जाती है, किंतु उनके प्रत्येक व्यवहार में विज्ञान एवं आध्यात्म झलकता है। हमें अपना समुचित विकास करना है, तो हमें इन जनजातियों की परंपराओं को सीखना होगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर एवं डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजू सिन्हा ने दिया। इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण अन्य महाविद्यालयों के प्रतिभागियों एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षामंत्री टंकराम वर्मा साइंस कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हुए शामिल

प्रश्न करना ज्ञान की पहली सीढ़ी, इससे ही मानसिक विकास, राजा दशरथ के समय से यह हमारी परंपरा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

छत्तीसगढ़ की भारतीय ज्ञान परंपरा-सृजन और संरक्षण की अंतर्यात्रा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा प्रमुख रूप से शामिल हुए। टंक राम वर्मा ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। छत्तीसगढ़ की स्मृति और भारतीय संस्कृति दोनों ही अत्यंत समृद्ध हैं।

हमारी मूल अवधारणा अतिथि देवो भवः और वसुधैव कुटुम्बकम के भाव पर आधारित है। भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है, जो भौगोलिक या राजनीतिक सीमाओं से नहीं, बल्कि अपनी ज्ञान परम्पराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से पहचानी जाती है। उन्होंने कहा कि भारत की परम्पराएं केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती हैं। उन्होंने वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, ज्योतिष, खगोलशास्त्र, गणित और दर्शन जैसे विषयों की समृद्ध परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्पराओं का आधार आध्यात्म, नैतिकता और व्यवहारिकता है। प्राचीन गुरुकुलों में शिक्षा का लक्ष्य केवल आजीविका नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर चरित्र, अनुशासन और समाज के प्रति समर्पण का संस्कार स्थापित करना था।

नई शिक्षा नीति को लेकर विशेषज्ञों ने किया मंथन, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया

नई शिक्षा नीति रोजगार, संस्कृति और अध्यात्म को जोड़ने वाली, इस बात को हर वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक

वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 इसी परम्परा को आधुनिक रूप में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच पर आधारित यह नई नीति शिक्षा को रोजगार, संस्कृति और अध्यात्म से जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि आज का सृजन ही कल के विश्वगुरु भारत का आधार बनेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वे ज्ञान परम्परा के सबसे बड़े संरक्षक और सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि प्रश्न करना ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। प्रश्न करने से ही ज्ञान में वृद्धि होती है। राजा जनक के दरबार में भी सवाल और विचार-विमर्श ही ज्ञान का आधार थे। भारतीय विद्वानों का उल्लेख करते हुए वक्ता ने कहा कि आर्यभट्ट के शून्य और दशमलव पद्धति से लेकर कालिदास, तुलसीदास, कबीर, रहीम और मीराबाई की रचनाओं तक भारत की ज्ञान परम्परा ने विश्व को नई ऊंचाइयां दी हैं।

भारत की शिक्षा पद्धति बुद्धिमान बनाने के साथ विवेकवान, संस्कृति को सहेजने वाला बनाती है

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मनुष्य को केवल बुद्धिमान ही नहीं बल्कि विवेकवान बनाती है और यह भारतीय संस्कृति को उसकी जड़ों से जोड़े रखने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, सक्षम और स्वच्छ राष्ट्र बनाना। इस दिशा में केन्द्र और राज्य सरकार भी सक्रियता से कार्य कर रही है और यह लक्ष्य तभी संभव होगा जब हम सभी मिलकर कार्य करें। इस अवसर पर साइंस कॉलेज के प्राचार्य अजय कुमार सिंह, संयोजक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, महेन्द्र कपूर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

Organizes

A Lecture on

"GOOD LAB PRACTICES FOR LABORATORY STAFF"

Report

A lecture on "Good Laboratory Practices (GLP)" was organized by the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of Government V.Y.T. PG Autonomous College, Durg on 31st October 2025. The session aimed to enhance awareness and understanding of quality standards and best practices among laboratory staff.

A total of 17 participants, including lab technicians and lab attendants from various departments, attended the lecture.

The resource person Dr. Debashish Sahoo, Director, Bioinnovale, Banglore, elaborated on several important aspects of laboratory management and operation, focusing on the following key areas:

- **Quality Control and Quality Assurance:** Importance of maintaining accuracy, reliability, and consistency in laboratory work.
- **Qualification and Validation of Laboratory Instruments:** Procedures to ensure proper functioning, calibration, and documentation of equipment.
- **Do's and Don'ts in the Laboratory:** Safety protocols, proper handling of chemicals and instruments, and maintaining cleanliness and order in the lab.

The lecture emphasized the role of good laboratory practices in ensuring the credibility of analytical results, promoting safety, and fostering a culture of continuous improvement. Participants actively interacted during the session and shared their practical experiences, making the discussion highly engaging and informative.

The event concluded with remarks from IQAC coordinator, Dr. Pragya Kulkarni, highlighting the importance of implementing the discussed practices in day-to-day laboratory operations to uphold the institution's commitment to quality and safety.

The lecture proved to be highly informative and beneficial for the participants. It enhanced their understanding of quality management and safety procedures in laboratory settings. The

IQAC members appreciated the active participation of the staff and encouraged them to implement Good Laboratory Practices in their respective departments for continuous quality improvement.

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
प्रयोगशाला कर्मचारियों हेतु “सुगठित प्रयोगशाला अभ्यास” पर व्याख्यान
प्रेस विज्ञप्ति

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा दिनांक **31 अक्टूबर 2025** को **“सुगठित प्रयोगशाला अभ्यास (Good Laboratory Practices – GLP)”** विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य प्रयोगशाला कर्मचारियों में गुणवत्ता मानकों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के प्रति जागरूकता एवं समझ को बढ़ाना था।

इस व्याख्यान में कुल **17 प्रतिभागियों** ने भाग लिया, जिनमें विभिन्न विभागों के **प्रयोगशाला तकनीशियन एवं प्रयोगशाला परिचर** सम्मिलित थे। कार्यक्रम के **वक्ता डॉ. देबाशीष साहू**, निदेशक, **बायोइननोवेल, बेंगलुरु** थे। उन्होंने प्रयोगशाला प्रबंधन एवं संचालन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। प्रमुख रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई:

- **गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन:** प्रयोगशाला कार्य में सटीकता, विश्वसनीयता एवं निरंतरता बनाए रखने के महत्व पर बल दिया गया।
- **प्रयोगशाला उपकरणों की अर्हता एवं प्रमाणीकरण:** उपकरणों के सुचारू संचालन, अंशांकन (कैलिब्रेशन) एवं अभिलेखीकरण की प्रक्रिया पर जानकारी दी गई।
- **प्रयोगशाला में क्या करें और क्या न करें:** सुरक्षा नियमों का पालन, रसायनों एवं उपकरणों का उचित प्रबंधन, तथा प्रयोगशाला में स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया।

व्याख्यान में यह बताया गया कि **सुगठित प्रयोगशाला अभ्यास** अपनाने से विश्लेषणात्मक परिणामों की विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है, सुरक्षा बनी रहती है तथा सतत् सुधार की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलता है। प्रतिभागियों ने सत्र के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया एवं अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए, जिससे चर्चा अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक रही।

कार्यक्रम का समापन **आईक्यूएसी समन्वयक, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी** के उद्बोधन के साथ हुआ, जिन्होंने प्रयोगशाला के दैनिक कार्यों में इन सिद्धांतों के अनुपालन के महत्व पर प्रकाश डाला ताकि संस्था की गुणवत्ता एवं सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया जा सके।

यह व्याख्यान प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं जानकारीपूर्ण सिद्ध हुआ। इससे उनके गुणवत्ता प्रबंधन एवं प्रयोगशाला सुरक्षा प्रक्रियाओं के प्रति ज्ञान में वृद्धि हुई। **आईक्यूएसी** सदस्यों ने प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की एवं उन्हें अपने-अपने विभागों में **सुगठित प्रयोगशाला अभ्यास** को लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि सतत् गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित किया जा सके।